हाथ कस के पकड़ ले

(तेरी करुणा की घनी छाँव में,
जी लगता है,
सांवरे अब तो तेरे,
गाँव में जी लगता है,
अश्क रुकते नहीं,
आँखों में मेरी रोके से,
इनका तो बस,
तेरे पांवों में जी लगता है।)

हाथ कस के पकड़ ले,
मेरा सांवरे,
मैं छुड़ाना भी चाहूँ,
छुड़ा ना सकूँ,
मेरी हार साँस पे,
श्याम लिख इस तरह,
मैं मिटाना भी चाहूँ,
मिटाना ना सकूँ,
हाथ कस के पकड़ ले,
मेरा सांवरे,
मैं छुड़ाना भी चाहूँ,
छुड़ा ना सकूँ।।

मुझको लूटने का डर,
जग के मेले में है,
पाँच डाकू भी संतो के,
रेले में है,
ठगनी माया की,
मीठी सी बातो में मैं,
कभी आना भी चाहूँ तो,
आ ना सकूँ,
हाथ कस के पकड़ ले,
मेरा सांवरे,
मैं छुड़ाना भी चाहूँ,
छुड़ा ना सकूँ।।

हाथ में तेरे जब तक,
मेरा हाथ है,
मुझको छु ले कोई,
किसकी औकात है,
श्याम प्यारे तू,

सदा मेरे साथ है,
मैं भूलाना भी चाहूँ,
भुला ना सकूँ,
हाथ कस के पकड़ ले,
मेरा सांवरे,
मैं छुड़ाना भी चाहूँ,
छुड़ा ना सकूँ।।

श्याम संदीप को तू,
बना बांसुरी,
तेरे हाथो में बन के रहूं बांसुरी,
नाचू छम छम छमाछम,
सर किसी और दर पे,
कभी सांवरे,
मैं झुकना भी चाहूँ,
झुका ना सकूँ,
हाथ कस के पकड़ ले,
मेरा सांवरे,
मैं छुड़ाना भी चाहूँ,
छुड़ा ना सकूँ।।

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/23218/title/haath-kas-ke-pakad-le

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |